



Essay on Doklam Issue

Key Points

1. Introduction

- 1) The standoff in **June 2017** when People's Liberation Army (PLA) of China **started constructing a road** towards Doka La.
- 2) Soon it became a serious issue adding tension to the Sino-Indian relations.
- 3) The trilateral border dispute between Bhutan, China and India ended on the **73rd day** after the two major rivals India and China agreed to disengage and withdraw their troops from the disputed land.

2. Body

- 1) Doklam is the Bhutanese name of the region which is recognised by India as Doka La. China claims it as part of its Donglang region. Doka La is also India's last military post on the tri-junction of its boundary with Bhutan and China.
- 2) Bhutan maintains no formal diplomatic ties with China and depends on military and diplomatic support from India.
- 3) India and Bhutan signed a **Friendship Treaty in 1949 (2007*)**, the treaty makes defense of Bhutan against any aggression an obligation on India.
- 4) **Problems for India**–
 - The Doklam area is dangerously close to the narrow **Siliguri Corridor** (Chicken's Neck) that connects the northeastern states.
 - A significant change of status quo with serious security implications.
 - Could be a danger for **India's growth story**.
- 5) **Dispute Resolution** –
 - India's strong position as a **World Leader** – Economic, SAARC, SCO, BRICS
 - Role of foreign players – USA, Russia, Japan etc.

- India clearly is far ahead of what it was in **1962**.
- BRICS Summit and possible embarrassment for China.

3. Conclusion

- 1) As big economic and military powers, India and China are key strategic players in the world. The India-China **bilateral trade reached \$84.44 billion**. Both countries have a larger role to play in World **development and peace**
- 2) India needs to bolster its border defense and at the same time maintain good political and economical relations with its neighbors.
- 3) A peaceful relation is the need of the hour for both the countries in the coming days.

Other disputes with China – OBOR, Dalai Lama Issue, Arunachal Pradesh, India – US relations, Stand on Terrorism.

*** Informal Summit (unofficial bilateral meeting) between PM Modi and his Chinese counterpart.

Doklam Issue

1. Introduction

- 1) जून 2017 में स्टैंडऑफ (आमना-सामना) जब चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने डोका ला की ओर एक सड़क का निर्माण शुरू किया।
- 2) जल्द ही चीन-भारतीय संबंधों में तनाव, यह एक गंभीर मुद्दा बन गया।
- 3) भूटान, चीन और भारत के बीच त्रिपक्षीय सीमा विवाद 73 वें दिन समाप्त हुआ, दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों, भारत और चीन विवादित भूमि से अपने सैनिकों को विघटित करने और वापस लेने पर सहमत हुए।

2. Body

- 1) डोकलम इस क्षेत्र का भूटानी नाम है जिसे भारत द्वारा डोका ला के रूप में मान्यता प्राप्त है। चीन इसे अपने डोंगलांग क्षेत्र के हिस्से के रूप में दावा करता है। भूटान और चीन के साथ अपनी सीमा के त्रि-जंक्शन पर डोका ला भारत की आखिरी सैन्य पोस्ट भी है।

- 2) भूटान चीन के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं रखता और भारत से सैन्य और राजनयिक समर्थन पर निर्भर करता है।
- 3) भारत और भूटान ने 1949 (2007 *) में एक मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए, संधि के अनुसार भारत किसी भी आक्रामकता के खिलाफ भूटान की रक्षा करता है।
- 4) भारत के लिए समस्याएं-
 - डोकलम क्षेत्र सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन की गर्दन) के करीब है जो पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ता है।
 - गंभीर सुरक्षा प्रभावों के साथ स्थिति का एक महत्वपूर्ण परिवर्तन।
 - भारत के विकास के लिए एक खतरा हो सकता है।
- 5) विवाद समाधान -
 - विश्व में भारत की मजबूत स्थिति - आर्थिक, सार्क, एससीओ, ब्रिक्स। अन्य देशों की भूमिका - यूएसए, रूस, जापान इत्यादि। । ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और चीन के लिए संभावित शर्मिंदगी।

3. Conclusion

- 1) बड़ी आर्थिक और सैन्य शक्तियों के रूप में, भारत और चीन दुनिया के प्रमुख रणनीतिक देश हैं।
- 2) भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 84.44 अरब डॉलर तक पहुंच गया।
- 3) दोनों देशों के विश्व विकास और शांति में बड़ी भूमिका है
- 4) भारत को अपनी सीमा रक्षा को मजबूत करने की जरूरत है और साथ ही अपने पड़ोसियों के साथ एक अच्छे राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए रखे।
- 5) आने वाले दिनों में दोनों देशों के लिए एक शांतिपूर्ण संबंध की आवश्यकता है।

चीन के साथ अन्य विवाद - ओबीओआर, दलाई लामा अंक, अरुणाचल प्रदेश, भारत - अमेरिकी संबंध, आतंकवाद पर खड़े हो जाओ।

*** प्रधान मंत्री मोदी और उनके चीनी समकक्ष के बीच अनौपचारिक शिखर सम्मेलन की बैठक।